पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राजभवन सूचना परिसर)
———————

प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ट्रांसफार्मिंग एमएसएमई कॉम्पेटिटिव सम्मेलन के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुई

———————

उद्योगपति अपने उद्योग पर अधिक जानकारी के साथ विकास करने के लिए विश्वविद्यालयों से जुड़ें

———————

युवाओं का उद्योगों से जुड़ाव देश की अर्थव्यवस्था को और मजबूत करेगा

—श्रीमती आनंदीबेन पटेल

———————

लखनऊः 28 जून, 2022

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज एसोसिएटेड चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री ऑफ इण्डिया (एसोचैम) द्वारा आयोजित दो दिवसीय ट्रांसफार्मिंग एमएसएमई कॉम्पेटिटिव सम्मेलन के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुईं। इस अवसर पर समारोह को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह प्रसन्नता की बात है कि एसोसिएटेड चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री ऑफ इण्डिया (एसोचैम) आज उत्तर प्रदेश के कुटीर लघु एवं मध्यम उद्योग को प्रतिस्पर्धात्मक रूप से बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध सोच के साथ कार्य करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

राज्यपाल जी ने किसी भी इण्डस्ट्री को लगाने में उद्योगपतियों द्वारा विभिन्न कागजी प्रक्रियाओं और फाइल वर्क की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि उद्योगपतियों को इण्डस्ट्री लगाने से पूर्व इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश,

देश की सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला राज्य है। यहां नैसर्गिक संसाधन भी प्रचुर हैं। हमारे प्रदेश में स्किल्ड युवाओं की भी बड़ी आबादी है, जो औद्योगिक इकाइयों के कुशलतापूर्वक संचालन के लिए उपयुक्त भी है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में आज उद्योग केन्द्रों की स्थापना के लिए एक अनुकूल माहौल विकसित हो चुका है। केन्द्र सरकार ने भी उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास के लिए कई बड़ी योजनाओं का लाभ दिया है। यह राज्य नेपाल, बांग्लादेश और भूटान के समीप स्थित है जो व्यापार और आर्थिक गतिविधियों के विस्तार के लिए अनुकूल है।

उन्होंने सम्मेलन में आये उद्योगपतियों को अपने उद्योग पर अधिक जानकारी के साथ विकास करने के लिए विश्वविद्यालयों से जुड़ने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि उद्योग विकास की अधिक सम्भावनाओं के दृष्टिगत वे लोग विश्वविद्यालयों में रिसर्च के विषय उपलब्ध करा सकते हैं।

प्रदेश के उद्योगों की जानकारी विद्यार्थियों तक पहुंचाने पर जोर देते हुए राज्यपाल जी ने एसौचेम के सदस्यों से अपील की कि वे हर विश्वविद्यालय में उस जनपद, उस क्षेत्र के उत्पादों और उत्पादन के बारे में छात्रों को जानकारी दें। एक विश्वविद्यालय में केवल उस क्षेत्र के ही नहीं अपितु दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थी भी आते हैं। इस प्रकार क्षेत्रीय उत्पादों की विशेषताओं की जानकारी और उपयोगिता स्वतः दूर तक पहुँचेगी। राज्यपाल जी ने कहा कि युवाओं का उद्योगों से जुड़ाव देश की अर्थव्यवस्था को और मजबूत करेगा।

समारोह में राज्यपाल जी ने 'डायरिया नेट जीरो बुलेटिन' को भी लांच किया।

इस अवसर पर एसोचैम अध्यक्ष, नेशनल एजूकेशन काउंसिल श्री कुवंर शेखर विजेन्द्र ने अपने सम्बोधन में कहा कि एमएसएमई द्वारा एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस के साथ मिलकर नवाचार, अनुसंधान और कौशल विकास के लिये कार्य करना अति महत्वपूर्ण है और यूपी जैसे राज्यों में जहां पर 90 लाख से ज्यादा एमएसएमई और एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस हैं वहां यदि एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस अपने यहां उद्योग के लिए रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट सुविधा का विकास करें तो एमएसएमई विदेशों में भी अपना नाम कर सकेंगी।

इस अवसर पर सह–अध्यक्ष एसोचैम नेशनल काउंसिल आन डब्लूटीओ ट्रेड एण्ड इनवेस्टमेंट एण्ड एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, "श्री रेनुका सुगर लिमिटेड" रवि गुप्ता, सह–अध्यक्ष, एसोचैम सीएसआर काउंसिल एवं निदेशक विदेश मामले एवं भागीदारियां, दक्षिण एशिया, रेकिट श्री रवि भटनागर तथा अन्य महानुभावगण उपस्थित थे।

———————

डा0 सीमा गुप्ता–सूचना अधिकारी /राजभवन (241/30)
सम्पर्क सूत्र– 8318116361
चंद्र विजय वर्मा–सूचना अधिकारी/राजभवन
सम्पर्क सूत्र– 9044381834

ASSOCHAM
UTTAR
MSME
Chief Guest
ANUPAM MITTAL
ANANDIBEN PATEL

ASSOCHAM
UTTAR
PRADESH
MSME
Chief Guest
Valedictory Ceremony
ANANDIBEN PATEL
RAVI BHATNAGAR

ASSOCHAM
UTTAR
MSME
Chief Guest
Time: 04.00 pm
ANUPAM MITTAL
ANANDIBEN PATEL
RAVI BHATNAGAR

RESERVED